




तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	न आ हुक
05-11-2024	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अमीलात्री उपास्थित। वकील रेस्पोंडेंट अनुमास्थित। वकील रेस्पोंडेंट द्वारा गत मेशी मर भी लखस हेतु अवसर चाहा गया था। न्यायालय में अंतिम अवसर दिया जाकर निर्देशित किया जाता है कि आगामी मेशी मर आवश्यक रूप से उपास्थित होकर लखस करें। पत्रावली वास्ते लखस दिनांक 21.11.2024 को पेश करें।</p> <p style="text-align: center;"><b>जिला कलक्टर</b> भीलवाड़ा</p>	
21-11-24	<p>पत्रावली पेश हुई। उभय पक्ष उपस्थित। पीठारीन अधिकारी जी. <del>ज.प.ए. के.के.स.न्याय</del> है। अतः पत्रावली आयन्दा कार्यवाही के लिए दिनांक <del>12-12-24</del> को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"> रीडर जिला कलक्टर भीलवाड़ा</p>	
10-12-24	<p>पत्रावली पेश हुई। जिला अभिभाषक संस्था, भीलवाड़ा द्वारा न्यायिक कार्य स्थगित रखा गया है। अतः पत्रावली आयन्दा कार्यवाही के लिये दिनांक <del>18-2-25</del> को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"> रीडर जिला कलक्टर भीलवाड़ा</p>	
18-02-2025	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अमीलात्री उपास्थित। पत्रावली का अवलोकन करने पर न्यायालय के संज्ञान में आया कि विचारणीय अपील में अपीलनस्थ तहसीलदार द्वारा अन्तर्गत आर 135(2) L.R. Act के तहत पक्षकारानु के सुन कर निर्णय पारित किया है। जिसकी प्रथम अपील सुनवाई के प्रारम्भिक श्रेणिकार इस न्यायालय को नहीं होकर श्री राजस्व अधिकारी द्वारा 75 (1) (F) के तहत निर्देशक-अभिलेख, संभागीय प्रमुख के श्रेणिकार में निहित है। इससे अपीलार्थी भी सहमत है। ऐसी स्थिति में अन्तर्गत आदेश 07 नियम 10 CPC के प्रावधानों के तहत लौटया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है।</p> <p>अतः अपील अपीलार्थी को सशम न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु लौटाने का आदेश दिया जाता है। अपीलनस्थ न्यायालय का रेकार्ड उन्हें अखिलम्ब लौटाया जावे। पत्रावली फाइल नुमां दे।</p> <p style="text-align: right;"> (नसीम सिंह संव्यु) जिला कलक्टर भीलवाड़ा</p>	